

I 5902

साह ॥ स्नानकायावद्वय ॥ नि
कर्मया विमर्शितवलिरेवय ॥ ॥
यूषदीपमयार्शदमनविधि यायक
यधुनकावज्जुययायधनलिधूय
य मोवकाधुनेक ॥

हं अइवेगकृकृतयादन्धयातिरे
नवतिनक्षत्रातिथागवृहत्यामिवास
नयथाकर्ममोक्ष भस्वनालिगतसवि
तजी मीतनालिगतचन्द्रमसि ॥

दमताजानकमोदमनाविवासनिनि
त्यार्थेन लीशूययिज्जुधनम ॥ लीशूय
यचलनादगयूधनम ॥ नवग्रहस्थ
नम ॥ जीलीपीमोथीखाहा ॥ अलिव

कल्याणाविधाकसहायम्भर्ज ॥ महाभ
किमर्जदर्वीवदरुक्ष्मादिवाकर्ज धरुमृ
यार्थविधि ॥ धनादमदीर्गज्जुदातहाव ॥
नेकीमोज्ज्वलसूर्यतुथदृतायदृतादृमि

सन्निगा ॥ अहता विद्यकलाव ननशतुनि
वाहया ॥ ॥ अहता नामविना धनयुजा
कारु समीनह ॥ कीर्तीह २ अहता यरुह ॥
ह्रीया सुयता अहता ॥ शिदवसग वोल

विय ॥ कीर्तीह वदकता अयसर्वविद्या
नालय २ नद २ वलिगृह २ ह्रीरुह नमः
स्वाहा ॥ ॥ कीर्तीह दगयाला अयसर्वविद्या
नालय २ नद २ वलिगृह २ ह्रीरुह नमः

स्वाहा ॥ क्रीं लीं गुं गलेन्ध्र नाय सर्वविघ्नाना
नाय २ नमः २ वलिं गृह्ण २ हूं रुद्र नमः ४ स्वा
हा ॥ धवज्जासनयूजा ॥ जेज्जाधं जलक्यादि
यद्भाषताय नमः ॥ शिवकृतनवाक्षया

म ॥ ॥ धवस्ववस्वसं च्छा यतियद्मसाक्षि
कवायाव (धसिज नरी जातय यादूनवा
माव जे क्रीं लीं रुद्र लीं स्वनदाय ॥ ॥ ध
नाज्जर्घयाण साधने ॥ जे क्रीं लीं जूझाय

रुट ॥ सल ॥ गंग गायने नमः ॥ लखलख ॥
नेकीं लीरु सदा मलव नयू सरु दामलव
नयी गंग मृताये नमः ॥ धन उयय ॥
नेकीं लीयों ४ नों ४ लों ४ वों ४ ॥ धन लख

नकाय अर्घ्यागन नेकीं लीनेकीं ली ४
आत्मगत्या विद्याय विद्यागत्या विद्याय
निवगत्या विद्याय डी डी ड सर्वगत्या
विद्याय लीया इका ॥ धन निज लरीज

सुखितत्वनयंस्वसाध्यागुन्याव ॥ ॐ ह्रीं
मो ॥ ॐ सगताय स्वाहा ॥ ॐ ॥ ॐ शिविया
गताय स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं ॐ शनिवनताय स्वा
हा ॥ ॥ धनो धर्मना धूर्तनकी युको ल

वायाव् कान्तप्रणि ॥ ॐ वाय ॥ ॥ ॐ वृडा
आय ॥ ॐ धर्मसकामययस्ववसनाति
अवसथीति हवलेवसीत ॥ ॐ ह्रीं ॐ
ॐ कानाचनम ॥ ॥ शिवाजानि ॥ ३॥ ॥

नेकीं श्री नमः ॥ ३ ॥ नेकीं श्री
नीत्ये नमः ॥ ३ ॥ नेकीं श्री वसन्त नमः
॥ ३ ॥ नेकीं श्री जू. जू. ल. क. वृ. दा. य. नमः
॥ ३ ॥ ॥ अन. ॥ ज. वा. क. स. म. स. का. ल. य.

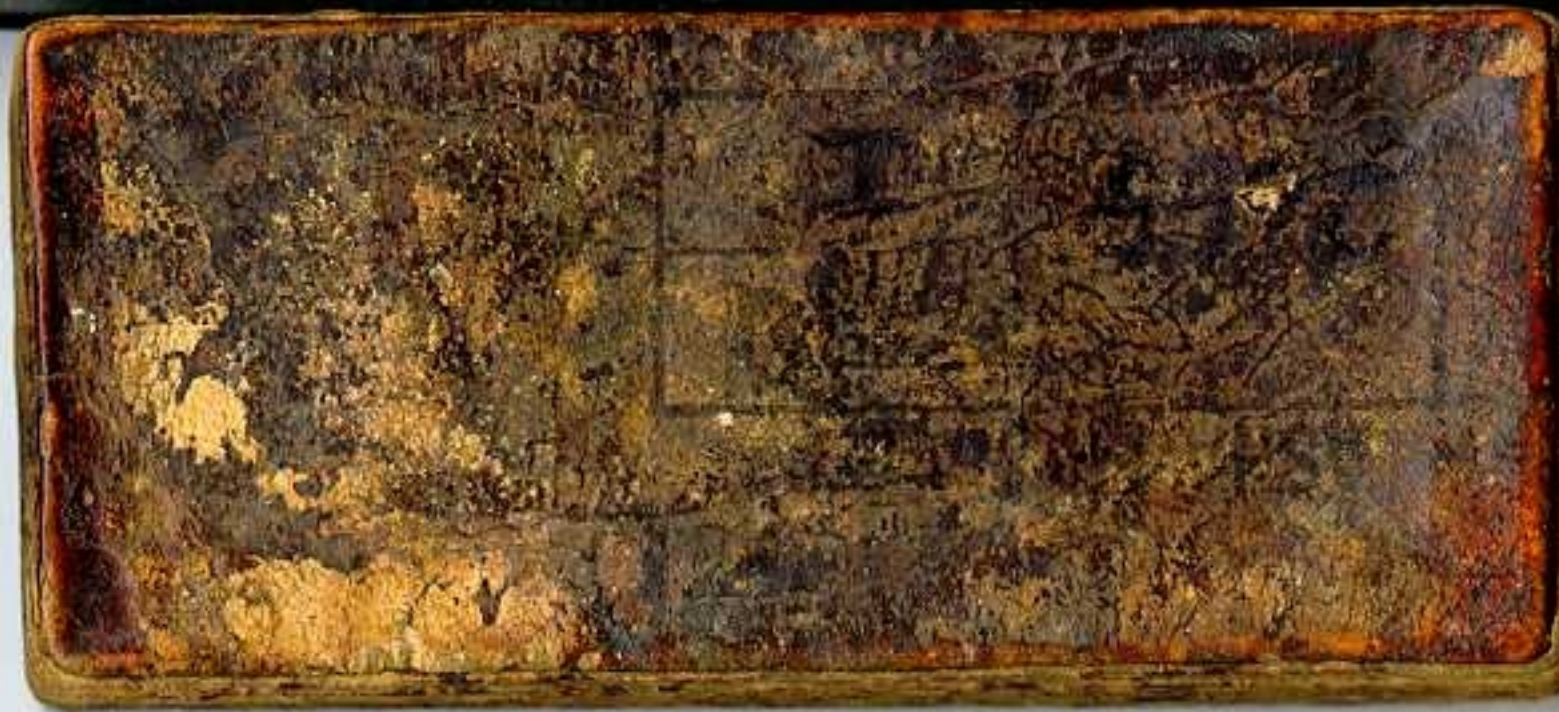
स्य वाद वन नृ. ने. ॥ मी. ती. कृ. ग. स. दा. नृ. वा.
नृ. वि. ग. ती. र. उ. आ. नृ. ह. ॥ नृ. ती. र. व. नृ. ल. य. र.
मी. नी. श्री. ती. दृ. दृ. द. ल. य. र. ॥ नी. ती. ल. य. ल.
स. ती. वृ. ल. ता. ना. य. वृ. ती. दृ. य. ॥ व. स. नृ.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ

नमः ॥ ठुं गी म न का ल स ॥ त्रिं जी शी ह स द
म ल व न यीं ठुं सी वृ द्ध स र्क व न य म
द न त न र्नी या य या इ कां वृ ज या मि ४ ॥ उ
रु न ॥ ॥ त्रिं जी शी स ह द म ल व न यीं

सूं ठुं सी वृ द्ध य मा य द म न यी य या इ कां
वृ ज या मि ४ ॥ द द्दि ले ॥ त्रिं जी शी स ह द म
ल व न यीं ठुं सी वृ द्ध लूं वं द्दा अ द म न त न र्नी
नूं वृ ज या मि न यी यी यो इ कां वृ ज
या मि ॥ वृ न ॥ त्रिं जी शी स ह द म ल व न



धृ उडसी वृद्ध वी वनूला यदमतनया या
घोषा इका वृजया मि ॥ यद्धि म ॥ उडसी
सहस्रमल वनया असी वृद्ध वी अग्नय द
मनया घोषी या इका वृजया मि ॥ अग्नये ॥
जेडीणी सहस्रमल वनया जेसा सी वृद्ध

यूवाय वंदमतनया घोषी या इका वृजया
मिनम शावा यया ॥ जेडीणी सहस्रमल
वनयू निवायक मल वनयू कामा यद
मनया घोषी या इका वृजया मिनम ॥
मया ॥ जेडीणी सहस्रमल वनया दमत

नाम्यामि नमः ॥ प्रसिद्धमनत्रं वाचयामि
नमः ॥ लोकादमनमः सुहावदयः सतः ॥
दमनमः रत्नविद्या ॥ वैकुण्ठिवाचं वैकुण्ठं
यजुर्महाजलाय नमः ॥ ॥ वालादमः
लुत्तमः ॥ ॥ यतदमनमः पूजायाम् ॥

नेकी ही दत्त जगत् नम दा यनम धाने
 बा बा बरसा यनम ॥ नेकी ही ही ही
 नम ॥ नेकी ही ही ही ही ही ही ही
 मल वन यी नी नी ही दत्त नया धुनी
 या इका यून या नी नि ॥ नेकी ही का का

शुक्लकौंक कमलवनयू कनलवनयूलें
को कामद वायलीयाइ कायूज्यामिन
म शा नानेयेतम शायीवायेतम शा वीवसं
तायतम शा अंजु ल्हा क दृदायतम शा
मूल मंगलाङ्गनेयूजायायकाव ॥

गमयतीतपुञ्जायाय ॥ रेडंतींकीजूनंम
यविद्वर्द्धकोमदवायवीमहितनीदम
नखवीदयाग ॥ धनमृडाकंले ॥ गयाज
लि ॥ डंतींकीकानायखादा ॥ धूयदीय
नेवश्य ॥ धानिमृडाकंले ॥ गान ॥ सद्य

दवप्रियदव सर्वेषां हृदयमिह ॥ सर्व
यापि स्मरन् दव कामदवतम सुत ॥ नाय
तदा प्रयतिष्टा ॥ काल्यारुमसं ज्ञाते का
मकासांगि सरव ॥ दमतैवृद्धयुव
सुप्रतिष्ठा सुमं सदा ॥ धनं दमतनयुजा ॥ ॥

दमतनयुजा याव कीरुदवतत ॥ ॥ जेडो
लोहम दमलवनयु सददमलवनयु ॥
गुवाजयुजा याव ॥ धनमूदाकांदाव ॥
॥ श्रीरवीश कथुनी कथुनी कथुनी श्रीरुल
धानावत्यदमतनयुजाव ॥ ॥ अथ ॥

आमलिकासेकोलस कलस्यामरुहेयव
गृह्णतु यं वदयन्निदमर्तसिद्धिदामम ।
वदकं कुरु गलय आगिनी गलसीयुती ।
वदकोल्यमागजवाही आलितानिष्टु रे न
व ॥ नवावयनदवनि सर्वकामप्रदा

निव ॥ अमलितामयारुक्ष मतावीकित
वाचक ॥ विशायी ० समसीदि तथैवेख
चनी गल ॥ आमलितमयारुक्ष दम
नवददमिद ॥ आमलितमयारुक्ष
दवीशीनिदमन्धनी ॥ वदकन्यादि समा

यूकं यागवृक्षसमन्वितं ॥ वन्यलाकमद
दंवी सिद्धिस्तुभक्तमया ॥ शोभाशक्त
तिविकानि कुणानितवसेवया ॥ वायन्धि
रुविष्टुष्टयः दान्यायनमन्वनी ॥ प्रमि
दगन्धदमनं नञासक्तानकादय ॥

वेङ्कटेश्वरकलाशयी ० मन्थरु कावल्गम
नदविष्टरु ॥ चतुष्टयी ० समान्यकी यागि
नी सिद्धिस्तुभक्त ॥ ज्ञानादितामया रुक्म
कोलस्यासहस्रवर्ष ॥ गृह्यवृक्षवदवर्ष
मदनगन्धवर्षित ॥ ॥ दंष्ट्रुनियाठार्क

थनम्वय ॥ शीयाज्जुदिनम्वय ॥ ।
थनमदनम्वय ॥ यानायाममूलमंगन ॥
मूलरक्तीगन्यास चक्रन्यास ॥ थनदम
नसेयाथनायादो ॥ उमदनामममूह
मदनीदिवाहवला ॥ धृतिमिषुयथास

क्याद्वयार्थमाट्याम्याही ॥ जोहीकीने
कोसी ॥ रुमदमलवनय ॥ सरुदमल
वनयी ॥ शीदमतीकर्क्यामिहीरुट ॥ थ
यादकीथनदय ॥ गुमाहमूलमंगन
ऊपर्य ॥ वी ॥ मलवनयीरुट ॥ ३ ॥ अ

गुल्लनदायाइकां ॥ विज्जालीयां अं नो अं
लां अं वों अं स्वाहा ॥ एतन्त्यातिमूढाकला ॥
॥ भनद गुाजीयाहाकां ० न म्हाय ॥ धर्म
यजीवाजस धनवीरिकाणासाक्तसक
विन्दुस ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ विज्जनासत्यादि ॥ ॐ न

कितासिदवलि सरुदयागलग्धना ॥
सर्मगिलाकवालीये सगलयविवावदी
॥ निवदयासिदवलि मदनान्तवदाम
नी ॥ मूलमर्गनम्या ॥ धनदाथडाजणी ॥
अज्ञाननकादिदववसक्तदन्तनीसर्व ॥

न्यूनातिनिकृयसर्वद्वन्द्वार्तामयमंजलि
० अक्षुणाक्षुण्णतन्वावायि कृत्वायकवयूजने
नसर्वद्वन्द्वार्तामयमंजलि नवदासासिद्धयुगा
थना नैवश वृषदीय ॥ नारा ॥ मक्ति वृज्ज
समये ॥ वागुक्तिमान ॥ यतज्ज्वालज्ज्वा

याय ॥ अक्षुण्णतन्वावायि कृत्वायकवयूजने
नाद्विग ॥ अक्षुण्णतन्वावायि कृत्वायकवयूजने
नमःश्वरी ॥ यतज्ज्वालज्ज्वा
नसर्वद्वन्द्वार्तामयमंजलि नवदासासिद्धयुगा
० सखर ॥ अक्षुण्णतन्वावायि कृत्वायकवयूजने